# हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में 15 अगस्त 2018 को स्वतंत्रता दिवस का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के निदेशक, डॉ. वी.पी. तिवारी द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया तथा इसके उपरांत राष्ट्रगान गाया।

इस अवसर पर डॉ. वी.पी. तिवारी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े हर्ष का विषय है कि देश आज 72वां स्वतंत्रता दिवस दिवस मना रहा है। वर्षो की गुलामी के बाद ब्रिटिश शासन से इसी दिन भारत को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि आज का दिन भारत के स्वतंत्रता प्राप्ति के संघर्ष में शहीद हुए महानुभावों को याद करने का दिन है तथा देश के रक्षा में बलिदान देने वाले तथा देश की रक्षा में लगे हुए जवानों को याद करने का दिन है। डॉ. वी.पी. तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान जय किसान' का नारा दिया था, जो अपने समय में बहुत लोकप्रिय तथा सार्थक सिद्ध हुआ। अभी कुछ वर्षों पूर्व इस नारे में जय विज्ञान को जोड़ दिया गया, जिससे यह नारा **'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान'**

के नाम से प्रचलित हो गया। इसमें कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों में हमारे देश ने विज्ञान के कुछ विशेष क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसमें मुख्य रूप से अंतरिक्ष विज्ञान, चिकित्सा विज्ञान इत्यादि शामिल हैं जिसका वर्णन प्रधानमंत्री महोदय ने 72वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में भी किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था भी वानिकी एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाली एक वैज्ञानिक संस्था है तथा वर्तमान में इस क्षेत्र को एक विषम चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए हम सभी का कर्तव्य है कि हम वानिकी तथा पर्यावरण, विशेषकर जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में आ रही चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कार्य करें तथा इस समस्या के निदान में अपना योगदान दें। भारत सरकार की वर्तमान नीतियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि सभी संस्थाएं आत्म निर्भर होने की दिशा में कार्य करें इसलिए हमें इस दिशा में भी विशेष कार्य करना होगा तथा अपने संसाधन जुटाने होंगे।

निदेशक ने वन एवं पर्यावरण के क्षेत्र विशेषकर हिमालयी क्षेत्रों की चुनौतियों का जिक्र करते हुए सभी का आह्वान किया कि सभी मिलजुल कर तन्मयता से कार्य करते हुए तकनीकों का विकास करें जिससे जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं का उचित निदान हो सके एवं स्थानीय लोगों की जीविकोपार्जन को संबल मिल सके। उन्होंने विश्वास प्रकट किया कि यदि हम सभी पूरी निष्ठा, लगन एवं इमानदारी के साथ कार्य करेंगे तो संस्थान निश्चय ही वन एवं पर्यावरण शोध क्षेत्र में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाने में सफल होगा।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान

I LOVE MY INDIA